आप तब तक नहीं हार सकते, जब तक आप प्रयास करना नहीं छोड़ देते..

निष्पक्ष एवं निर्भीक पाक्षिक

ब्रह्म पुष्कर

प्रधान सम्पादक- कविता पाराशर प्रबन्ध सम्पादक- दिनेश पाराशर

पुष्कर की सभी प्रकार की खबरें एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
दिनेश पाराशर
परिक्रमा मार्ग, बड़ी बस्ती
पुष्कर। मो. 9928586309

वर्ष : 7 अंक -7 RNI NO.RAJHIN/2018/76225 पाक्षिक पुष्कर (अजमेर), मंगलवार 16 दिसम्बर 2025 पृष्ठ संख्या -4 आरजे/ एजे/198/2019-21 मूल्य 3 रुपये वार्षिक: पचास रुपये

राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ पर विशेष

अन्नदाताओं के सम्मान, समृद्धि और सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है राज्य सरकार-मुख्यमंत्री

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसान कल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर अन्नदाताओं के कल्याण और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कार्यरत है। प्रदेश में किसानों को सशक्त बनाने तथा कृषि क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए व्यापक और दूरदर्शी कदम उठाए गए हैं। किसानों को वित्तीय सहायताए ब्याज मुक्त फसली णए फसल सुरक्षा बीमाए समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदए सिंचाई और बिजली की सुविधाए पशु बीमा, पशुपालकों को आर्थिक मदद और कृषि आधुनिकीकरण की योजनाओं से किसानों की आय में वृद्धि हुई है। खेती के काम में जोखिम कम हुआ है और युवा किसानी के कार्य के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं।

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

प्रदेश के 76.18 लाख किसानों को पीएम किसान सम्मान निधिः- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदेश के सभी किसानों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने निरंतर कार्य कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। किसानों की संख्या के आधार पर राजस्थान इस योजना में देश में पाँचवें स्थान पर है। योजना के तहत राज्य के 76.18 लाख किसानों को अब तक 10432 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जा चुकी है। किसानों को और अधिक आर्थिक संबल देने के उद्देश्य से रा'य सरकार द्वारा वार्षिक सहायता राशि को 6000 रुपये से बढ़ाकर 9000 रुपये किया गया है।

किसानों को 44 हजार करोड़ का ब्याजमुक्त ऋण और 6 हजार करोड़ से अधिक के बीमा क्लेमः-किसानों की आर्थिक संबल सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान सरकार ने बड़े स्तर पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। इसके अंतर्गत 44ए067 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त अल्पकालीन फसली ण वितरित किया गया हैए जिससे किसानों को बुवाई और कृषि कार्यों के लिए समय पर पूंजी उपलब्ध हो सकी। इसके साथ ही 356 करोड़ रुपये का दीर्घकालीन सहकारी ऋण रियायती ब्याज दर पर दिया गया है। किसानों को बिजली बिलों से राहत देते हुए 44558 करोड़ रुपये का अनुदान भी प्रदान किया गया है।किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और फसल खराबे के नुकसान से सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है। योजना के अंतर्गत अब तक 6207 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम का भुगतान कर किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है।

समर्थन मूल्य पर फसल खरीद कर 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतानः-किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए रा'य सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बड़े पैमाने पर खरीद की है। 2.66 लाख किसानों से 33.42 लाख मीट्रिक टन गेहूँ की सरकारी खरीद की गईए जिसके साथ 471.16 करोड़ रुपये का बोनस भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 12ण्60 लाख मीट्रिक टन दालों और तिलहनों की खरीद कर लगभग 5 लाख किसानों को 8ए191 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

22 जिलों में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली आपूर्तिः-कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश में सिंचाई और बिजली सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। 10418 करोड़ रुपये व्यय कर 84592 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता विकसित की गई है। किसानों को समय पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए 1ण्86 लाख नए कृषि विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 22 जिलों में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

पीएम.कुसुम योजना में प्रदेश अव्वल राज्यों में शुमारः-स्वच्छ ऊर्जा और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में राजस्थान ने पीएम.कुसुम योजना में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पीएम.कुसुम बी के अंतर्गत 51ए927 सोलर पंप स्थापित किए गए हैंए जिन पर 822 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। इस योजना के तहत राजस्थान ने देश भर में कुसुम.ए में प्रथम स्थान तथा कुसुम.सी में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

84 हजार से अधिक परिवारों को 634 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त ऋणः-कृषि के साथ.साथ पशुपालन को भी किसानों की आय का मजबूत स्रोत बनाने के लिए रा'य सरकार ने अनेक योजनाएँ लागू की हैं।

बागेश्वर धाम यात्रा ओर कथा की तैयारियों को लेकर माली मंदिर में हुई बैठक आयोजित

◆ बैठक में ऐप और पोस्टर का हुआ विमोचन◆ महिला शक्ति ने किया पोस्टर का विमोचन◆ बैठक में कार्यकताओं को रजिस्ट्रेशन ओर ऐप के बारे में दी जानकारी 22दिसंबर को बागेश्वर धाम जाएगी चार बसे

पुष्कर। तीर्थ नगरी पुष्कर में अगले साल 23 फरवरी से पुष्कर राज महाराज के आशीर्वाद से बागेश्वर धाम के प्रमुख पीठाधीश्वर एवं उपासक धीरेंद्र शास्त्री की तीन दिवसीय हनुमंत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसको लेकर सनातन प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की पुष्कर में आयोजित होने वाली हनुमंत कथा आयोजन को लेकर रविवार को माली मंदिर में बैठक आयोजित की गई जिसमें कार्यकताओं को मोबाइल एप के द्वारा रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी दी गई तो वही महिला शक्ति द्वारा बागेश्वर धाम की कथा के पोस्टर का विमोचन किया तथा 22 दिसंबर को बागेश्वर धाम जाने वाले सनातन संकल्प यात्रा के बारे में जानकारी दी गई। गौरीशंकर शर्मा ने बताया कि अगले साल फरवरी में बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री की तीन दिवसीय हनुमंत कथा होगी। इससे पहले कथा आयोजन समिति के जुड़े 200 से अधिक भक्त व सेवादार 23 दिसंबर को संकल्प यात्रा के रूप में पुष्कर से बागेश्वर धाम पहुंच कर धीरेंद्र शास्त्री के दरबार में हाजिरी लगाएंगे। पवन शर्मा ने बताया कि ऐप द्वारा रजिस्ट्रेशन करवाने वाले सभी सेवाधारी भक्त और कार्यकर्ता 22 दिसंबर की शाम को पुष्कर से रवाना होंगे जिसकी तैयारियां को अंतिम रूप देने के लिए रविवार माली मंदिर में बैठक आयोजित की गई । यात्रा को लेकर बागेश्वर धाम के भक्तों में खासा उत्साह है। एक ओर जहां आयोजकों द्वारा इच्छुक सेवादारों की सूची तैयार की जा रही हे । तथा यात्रा में शामिल होने के लिए बागेश्वर धाम के अनुयायी एवं सनातनी रजिस्ट्रेशन भी करा रहे है। जिसमें जो भी भक्त अनुयायि इस पुनीत कार्य में अपनी सेवाएं देना चाहते हे तथा जिन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया वो अपना रजिस्ट्रेशन मोबाइल एप के द्वारा करवा सकते हे।इस दौरान पंडित कैलाश नाथ दाधीच सावित्री प्रसाद गौतम लक्ष्मी देवी पाराशर सविता पाराशर अरुण पाराशर सहित कई लोगों ने बागेश्वर धाम की कथा ओर यात्रा की तैयारियों को लेकर अपने अपने सुझाव रखे।

बैठक में रघु पारीक कमल पाराशर अरुण पाराशर अजय पाराशर भाजपा मंडल अध्यक्ष भुवनेश पाठक देवांश पाराशर यस पाराशर शुभम पाराशर कैलाश रेनबो विनीत पारीक मुरारी वैष्णव कमल उर्फ जैकी पाराशर अमरचंद राजपुरोहित पुरुषोत्तम पाराशर शिवलहरी दिनेश पंडित अमरचंद सांखला विष्णु पाराशर संदीप पाराशर मंजू शर्मा किरण शर्मा लीना पाराशर शिमला पाराशर सहित काफी संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे।

विधायक निधि में भ्रष्टाचार की खबरों पर मुख्यमंत्री का सख्त रवैया

लोकसेवक द्वारा भ्रष्टाचार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं - मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायक निधि में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित खबरों पर चिंता प्रकट करते हुए कहा है कि किसी भी लोकसेवक द्वारा भ्रष्टाचार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। दोषी पाए जाने पर ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगाए चाहे वह व्यक्ति कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो। उन्होंने कहा कि रा'य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति पूर्णतः जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। जनधन के दुरुपयोग को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने मुख्य सतर्कता आयुक्त ;अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री भास्कर सावंत की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित कर इस मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। समिति में शासन सचिव पंचायती राज श्री जोगाराम शासन सचिव वित्त ;बजट श्री राजन विशाल को सदस्य एवं विशिष्ट शासन सचिव गृह विभाग श्री मनीष गोयल को सदस्य सचिव बनाया गया है। यह समिति 15 दिन में जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंपेगी। जांच प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर खींवसर हिण्डौन एवं बयाना विधानसभा क्षेत्रों के विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि ;एमएलए.लैड खातों को फ्रीज कर दिया गया है। अब तक अभिशंषा किए गए और स्वीकृत समस्त कार्यों का क्रियान्वयन एवं भुगतान की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकारी मुख्य सचेतक द्वारा यह प्रकरण संबंधित विधायकों के विरुद्ध जांच हेतु विधानसभा की सदाचार समिति के समक्ष रखने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को भी प्रेषित कर दिया गया है।

सम्पादकीय

हिंदू आस्था का मान रखने वाले जज के खिलाफ पूरे विपक्ष का एकजुट होना चिंताजनक मिसाल है

हिंदू.बहुल भारत में आखिर यह स्थिति क्यों पैदा हो गई है कि किसी हिंदू को अपने ही प्राचीन धर्मस्थल पर दीपक जलाने या पूजा करने के लिए अदालत से अनुमति लेनी पड़ेघ् यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हो गयी है कि न्यायालय पूजा की अनुमति दे दे तो सरकार उस अनुमति के क्रियान्वयन को ही रोक देघ् यह स्थिति क्यों बन गयी है कि अदालत अनुमति दे दे तो कुछ राजनीतिक दल उस न्यायाधीश को ही पद से हटाने की मांग करने लगें जिसने हिंदुओं को अपने धर्म स्थल पर पूजा करने की अनुमति दीघ् क्या यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक दृश्य हैघ् सवाल उठता है कि तुष्टिकरण की राजनीति की आड़ में हिंदू आस्था को बार.बार क्यों चोट पहुँचायी जाती हैघ् क्या बहुसंख्यक धर्म की परंपराएँ केवल इसलिए संदेह के घेरे में हैं क्योंकि कुछ राजनीतिक दल अपने वोट बैंक की राजनीति को धर्म और इतिहास से ऊपर रख चुके हैंघ् और क्या अब न्यायपालिका तक को इस आधार पर निशाना बनाया जाएगा कि उसका निर्णय किसी समुदाय को राजनीतिक रूप से असुविधाजनक लगा इन मूलभूत प्रश्नों के बीच तिरुप्परनकुंद्रम का दीपथूण विवाद केवल एक धार्मिक अनुष्ठान का मामला नहीं रह गया हैय यह प्रशासनिक निष्पक्षताए न्यायपालिका की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रही राजनीति की वास्तविकता का आईना बन चुका है। हम आपको बता दें कि मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम में अरुलमिघु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर और उससे सटे ष्दीपथूणष् ;पत्थर के दीप.स्तंभद्ध पर दीप प्रज्ज्वलन को लेकर उठा विवाद लगातार कानूनी और राजनीतिक टकराव का रूप लेता जा रहा है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ द्वारा ष्दीपथूणष् पर दीप जलाने की अनुमति देने के बाद रा'य सरकार ने न केवल इस आदेश को चुनौती दी बल्कि जिला प्रशासन ने भी पर्वत की तलहटी पर ही श्रद्धालुओं को रोक दिया। इस घटना ने न्यायपालिका और रा'य सरकार के बीच तनाव को सार्वजनिक रूप से उद्घाटित कर दिया।हम आपको बता दें कि 1 दिसंबर को न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने हिंदू तमिलर कच्ची के संस्थापक राम रविकुमार की याचिका पर आदेश देते हुए भक्तों को तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथूण पर दीप जलाने की अनुमति दी थी। लेकिन 3 दिसंबर के कार्तिगई दीपम उत्सव के दिन प्रशासन ने उन्हें रोक दिया जिसके बाद रविकुमार ने अवमानना याचिका दायर की। उसी दिन न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने दस भक्तों को दीपथूण तक जाने और वहाँ दीप प्रज्ज्वलित करने की अनुमति दी तथा उनकी सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ कवर प्रदान करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद पुलिस ने समूह को रोक दिया और रा'य सरकार ने अवमानना कार्यवाही से बचने के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।हम आपको बता दें कि इस मामले की जड़ें लगभग सौ वर्ष पुरानी हैं। तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ीए जो भगवान मुरुगन के छह प्रमुख पवित्र स्थलों ;अरुपडई वीड़कुद्ध में से एक हैए वहां पर स्थित मंदिर और एक दरगाह के बीच 1920 से ही स्वामित्व और धार्मिक अधिकारों को लेकर विवाद रहा है। उस समय सिविल कोर्ट और बाद में प्रिवी काउंसिल ने पहाड़ी को मंदिर सम्पत्ति घोषित किया था। किंतु दीप प्रज्ज्वलन की परंपरा को लेकर न्यायालय ने 1996 में यह कहा था कि पारंपरिक स्थान मंदिर परिसर का उचिपिल्लैयार कोविल मंडपम हैय हालांकि भविष्य में किसी वैकल्पिक स्थान पर दीप प्रज्ज्वलन की अनुमति भ्त्-ब्म् विभाग द्वारा दी जा सकती हैए बशर्ते वह दरगाह से दूर हो।इसके बाद भी दीपथूण को पारंपरिक स्थल बताकर कई याचिकाएँ दायर हुईए जिन पर 2014 और 2017 में उच्च न्यायालय ने यह दोहराया था कि मंदिर प्रबंधन ही धार्मिक परंपराओं और स्थलों का निर्धारण करेगा। लेकिन इस वर्ष पुनः इस विवाद ने जोर पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया। रा'य सरकार ने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय की खंडपीठ में अपील दायर कर दी है। वहीं 5 दिसंबर को खंडपीठ ने मंदिर प्रबंधन का पक्ष रखते हुए यह चेतावनी दी कि न्यायपालिका का अपमान करने वाली टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद 9 दिसंबर को अदालत ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव और एडीजीपी ;कानून.व्यवस्थाद्ध को 17 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने का आदेश दियाए क्योंकि प्रशासन ने न्यायालय के पूर्व आदेशों का पालन नहीं किया।दूसरी ओरए यह विवाद इसी बीच संसद तक पहुँच गया है। कांग्रेसए डीएमकेए समाजवादी पार्टीए एनसीपी ;एसपीद्ध और ।प्डप्ड से संबद्ध 107 विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति स्वामीनाथन को हटाने का प्रस्ताव सौंपा। आरोप लगाया गया कि न्यायाधीश ने एक विशेष राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित होकर निर्णय दिए और निष्पक्षता व धर्मनिरपेक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा है। देखा जाये तो विपक्ष का यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक टकराव बन चुका हैए क्योंकि इसे न्यायपालिका पर सीधे प्रहार के रूप में देखा जा रहा है। जिस प्रकार से विपक्षी दलों ने न्यायाधीश के निर्णय से असहमति को आधार बनाकर उन्हें हटाने का प्रस्ताव दियाए वह भारतीय लोकतंत्र में अभूतपूर्व और चिंताजनक मिसाल है।

बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो का शपथ ग्रहण समारोह धूमधाम से हुआ, घोड़े पर सवार करके बार अध्यक्ष को घुमाया

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो को माला पहनाकर निकाला ढोल धमाको से भव्य जुलूस

पुष्कर। सोमवार को पुष्कर बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुष्कर न्यायालय के न्यायाधीश डॉ विमल व्यास ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो को शपथ दिलाई।इस दौरान सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो का अधिवक्ताओं और गणमान्य लोगों ने माला पहनाकर भव्य जुलूस निकाला। वही बार एसोसिएशन के शांति पूर्वक एवं सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने पर चुनाव अधिकारी एस के चौधरी सहायक चुनाव अधिकारी संदीप पाराशर और अरुण वैष्णव का न्यायाधीश डॉ विमल व्यास ने माला पहनाकर उनका स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व बार अध्यक्ष कुलदीप पाराशर और नवनिर्वाचित अध्यक्ष मदन सांखला का घोड़ी पर बिठाकर अधिवक्ताओं ने भव्य जुलूस निकाला।शुक्रवार को हुए पुष्कर बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद के त्रिकोणीय मुकाबले में मदनलाल सांखला ने 49 मतों से जीत हांसिल की। अध्यक्ष पद के अलावा पूर्व में ही शेष सभी पदों व कार्यकारिणी सदस्य निवारीध निर्वाचित हुए थे मुख्य चुनाव अधिकारी एस.के. चौधरी ने बताया कि बार अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए जगदीश चौधरी, मदन लाल एवं अर्जुन सिंह के बीच मतदान हुआ जिसमें कुल 122 पंजीकृत मतदाताओं में से 119 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सहायक चुनाव अधिकारी संदीप पाराशर ने बताया कि मतदान के तत्काल बाद मतगणना की गई जिसमें मदनलाल को 83, जगदीश चौधरी को 34 व अर्जुन सिंह को 2 मत मिले। तथा मदनलाल सांखला को विजयी घोषित किया गया। सहायक चुनाव अधिकारी अरुण वैष्णव ने बताया कि कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मुकेश कुमार व फिरोज मोहम्मद, सचिव प्यारे मोहन गुप्ता, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र परसोया, कोषाध्यक्ष चंद्रमोलेश्वर पाराशर, पुस्तकालय अध्यक्ष सुरेश कुमार खटीक तथा कार्यकारिणी सदस्य लाडूसिंह रावत, विशाल पाराशर, नौरतमल गुरावा, रवि प्रकाश, संजय, प्रकाश नाणात, रवि कुमावत, महेश उदय, दीपक मेघवाल को निर्विरोध चुने गए थे।

पूर्व अध्यक्ष कुलदीप पाराशर गुट का पलाड़ा रहा भारी

इस बार हुए बार चुनाव में अध्यक्ष पद के अलावा शेष पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ वहीं अध्यक्ष पद के त्रिकोणीय मुकाबले में अधिवक्ताओं में काफी जोश देखा गया। इनमें मुख्य रूप से पूर्व पुष्कर बार एसोसिऐशन अध्यक्ष कुलदीप पाराशर गुट का अध्यक्ष समेत अन्य पदों पर दबदबा रहा। वहीं अध्यक्ष के विजेता की घोषणा के बाद साथी अधिवक्ताओं ने पूर्व अध्यक्ष कुलदीप पाराशर का माला पहनाकर शुभकामनाऐं प्रेषित की

संघर्ष चेतन महाधिवेशन में गूंजा कर्मचारी आक्रोश सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

पुष्कर। अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ का संघर्ष चेतना महाधिवेशन खंडेलवाल ऑडिटोरियम वैशाली नगर जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा के अध्यक्षता में आयोजित हुआ।अजमेर जिले की ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एंप्लॉय फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी मेंबर एवं प्रगतिशील शिक्षक संघ की महिला प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. रोशनदीप श्रीमाली ने अधिवेशन में घटक संगठनों के हजारों कर्मचारियों ने राजस्थान भर से भागीदारी निभाई एवं उपस्थित ऑडिटोरियम में कर्मचारी नेताओ से आव्हान करते हुए राज्य सरकार को चेतावनी दी कि समय रहते कर्मचारियों की वाजिब मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं किया गया यथा आठवें वेतनआयोग के टर्म व रेफरेंस में घालमेल कर आयोग की सिफारिशों में विलंब किया जा रहा है जो आम कर्मचारियों को स्वीकार्य नहीं है एवं राजस्थान सरकार का कर्मचारी राज्यव्यापी आंदोलन करेगा ।प्रगतिशील शिक्षक संघ के महामंत्री किशन लाल सारण ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार जिस तरह सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण कर रही हैं जो बर्दाश्त से बाहर है आगामी 23जनवरी से 26 जनवरी तक आल इंडिया की 18वीं कॉन्फ्रेंस शिरडी महाराष्ट्र में आयोजित हो रहा है जिसमें राजस्थान के पैंतीस हजार कर्मचारी भाग लेकर रणनीति तय करेंगे।महासंघ के जिला मंत्री पूनम चंद बिश्नोई ने कहा कि राजस्थान के 41जिलों में संघर्ष चेतना यात्रा रेली का सफलतापूर्वक आयोजन में कर्मचारियों ने आपनी मांगों को सरकार के सामने रखा ' इस महा अधिवेशन में राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील अजमेर के जिलाध्यक्ष पुष्पा धगेया ने कहा कि भाजपा सरकार के दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं लेकिन तृतीय श्रेणी शिक्षकों सहित अन्य संवर्गों के लिए स्थानांतरण पॉलिसी जारी नहीं कर पा रही हैं पदोन्नति वेतन विसंगति का निराकरण नहीं किया जा रहा जिससे आम कर्मचारियों शिक्षकों में भारी आक्रोश है।महाधिवेशन में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार द्वारा समय रहते समाधान नहीं किया तो राजधानी जयपुर में जोरदार आंदोलन किया जाएगा लाखों लाख कर्मचारी भाग लेंगे ।

प्रदेश अध्यक्ष महावीर शर्मा ने कहा कि संविदा कार्मिकों को नियमित करना आर जी एच एस की कटौतियां बंद करना 9अक्टूबर 25के एन पी एस पुन लागू करना के आदेश को प्रत्याहारित करना ओ पी एस की छेड़ छाड़ बंद करो अन्यथा सरकार परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे । अधिवेशन को संबोधित करते हुए शारीरिक शिक्षक संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष हरिराम सारण ने कहा कि एक शारीरिक शिक्षक सेवा प्रारंभ से लेकर सेवानिवृत तक एक ही पद पर रहता हैं पदोन्नति का कोई प्रावधान नहीं है पद सृजित कर पदोन्नति की मांग रखी। इस मौके पर प्रगतिशील के प्रदेश महामंत्री किशन लाल सारण जिला मंत्री बाबूलाल कड़वासरा, पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के जिला मंत्री मोहनलाल खीचड़, दिनेश कुमार कोषाध्यक्ष पशु चिकित्सा संघ ,मालाराम कुराड़ा, प्रेमाराम पूनिया अध्यक्ष ब्लॉक महासंघ सरनाऊ, जसवंत सिंह नरूका, धनराज सिंह राजावत, हंसराज चौधरी अशोक कुमार कटारा,सहित हजारों हजार कर्मचारियों ने भागीदारी की।

विश्लेषण

भूख से युद्ध के साथ शिक्षा की लौ जलाता अक्षय पात्र

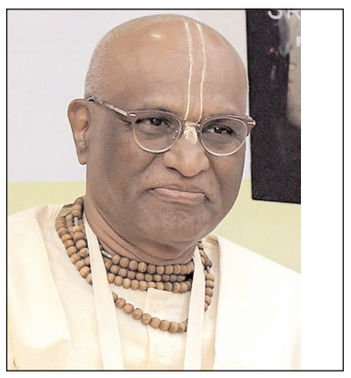

महाभारत में एक कथा आती है जुए में अपना सबकुछ हारने के बाद पांडव वनवास काट रहे हैंण्उसी दौरान वे सूर्य की उपासना करते हैंण्सूर्य देव प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को एक पात्र देते हैंण्उस पात्र की विशेषता है कि उसमें रखा भोजन कभी खत्म ही नहीं होता वह सदा भरा ही रहता है। अक्षय का अर्थ ही होता हैए जिसका कभी क्षय ना होए यानी जिसमें कभी कोई कमी ना होण्कहना न होगा कि इस्कॉन का अक्षय पात्र भी पांडवों के अक्षय पात्र की तरह हो गया हैण्भूखेए बेसहाराए गरीबए बेघर बुजुर्ग माताओंए आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने का आज यह बड़ा सहारा बन गया है। साल 2000 में शुरू इस संकल्प ने चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर ली है। अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को नियमित रूप से उनके स्कूलों में भोजन करा रहा है। साल 2001 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन योजना को लागू करने का आदेश दिया। देश की सर्वोच्च अदालत में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि खाद्य निगम के गोदामों में काफी मात्रा में अन्न सड़ जाता है। उस अन्न के जरिए मध्यान्ह भोजन योजना लागू की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय को यह तर्क जंचा और उसके ही आदेश पर समूचे देश के स्कूलों में दोपहर में बना हुआ भोजन देना जरूरी कर दिया गया। इसके पहले केंद्र की नरसिंह राव सरकार ने 15 अगस्त 1995 को राष्ट्रीय पोषण योजना की चुने हुए ब्लॉकों में शुरुआत कीए जिसके तहत स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन मुहैया कराना शुरू हुआ। बाद में इसके तहत बच्चों को मुफ्त चावल दिया जाने लगा। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब पका हुआ खाना देना अनिवार्य कर दिया गया। अब इसका नाम प्रधानमंत्री पोषण कार्यक्रम कर दिया गया है। अक्षय पात्र फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ यानी इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद का भी एक संकल्प कार्य कर रहा है। स्वामी प्रभुपाद पश्चिम बंगाल के मायापुर में भगवान कृष्ण के भजन में लीन रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी खिड़की से देखाए कूड़े में फेंके भोजन को लेकर कुत्ते और कुछ बच्चों में खींचतान चल रही थी। यह कारुणिक दृश्य देखकर प्रभुपाद परेशान हो गए। उन्होंने तब संकल्प लिया कि वे ऐसी व्यवस्था करेंगेए जिसकी वजह से उनके आसपास कोई भूखा रहने को मजबूर ना हो सके। इस्कॉन के मंदिरों में यह व्यवस्था अहर्निश अब तक जारी है। उनके यहां भोजन के वक्त कोई भूखा नहीं रहता। बहरहाल दीन.दुखियोंए बच्चोंए विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरूषोंए स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की साल 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। पहले साल साल इस योजना के तहत बेंगलुरू के पांच स्कूलों के 1ए500 बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया। तब से यह फाउंडेशन लगातार कार्य कर रहा है और आज स्थिति यह है कि अक्षय पात्र सोलह रा'यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी विद्यालयों के करीब चौबीस लाख बच्चों को रोजाना दोपहर का भोजन मुहैया करा रहा है। अक्षय पात्र का उद्देश्य भूख की वजह से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराना और उन्हें शिक्षा हासिल करने में सहयोगी बनना है। शुरुआत में सीमित पैमाने पर काम करने के बादए संस्था का विस्तार तेजी से हुआ। आज यह भारत में सबसे बड़े मध्याह्न भोजन कार्यक्रमों में से एक का संचालन करता है जिसके दायरे में अब करीब चौथाई करोड़ बच्चे आ चुके हैं।अक्षय पात्र के जरिए अब तक चार अरब से ज्यादा थालियां खिलाई जा चुकी हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो चार अरब लोगों को अब तक भोजन मुहैया कराया जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी के करीब ढाई गुना 'यादा लोगों को अब तक यह गैरलाभकारी संगठन खाना खिला चुका है। अक्षय पात्र की पहुंच आज 23978 से अधिक स्कूलों तक हो गई है। इस साल मार्च में अक्षय पात्र ने अपना 78वां रसोईघर स्थापित किया। बहुत लोगों को जानकर हैरत होगी। कि इनमें से 47 रसोईघरों को आईएसओ प्रमाण पत्र हासिल है। सरकारी स्कूलों में जारी मध्यान्ह भोजन योजना पर दो तरह के आरोप लगते रहे हैं। पहला भ्रष्टाचार का होता हैए जबकि दूसरा परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर रहा है। कमोबेश ये शिकायतें अभी तक बनी हुई हैं। लेकिन अक्षय पात्र की ओर से जिन स्कूलोंए आंगनबाड़ियों आदि में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा हैए वहां ऐसी कोई शिकायत नहीं है। इसकी वजह यह है कि अक्षय पात्र सिर्फ सरकार से मिलने वाले चावलए दाल और गेहूं और दूसरी सहूलियतों पर ही निर्भर नहीं है। अक्षय पात्र फाउंडेशन दान दाताओं से भी मिले सहयोग पर भी निर्भर है। दान में मिली रकम से अक्षय पात्र ने ना सिर्फ भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी हैए बल्कि पौष्टिकता और पोषण का भी ध्यान रखा है। उसके पास जो 78 रसोईघर हैं वे पूरी तरह मशीनीकृत हैं। उनमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है।

सावधान! इन 6 तरह के लोगों की सेहत बिगाड़ सकता है अमरूद कहीं आप भी तो नहीं इनमें शामिल

सर्दियों के मौसम में अमरूद मिलते हैं जो विटामिन.सीए फाइबरए एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इसलिए इन्हें खाने से सेहत को काफी फायदा मिलता हैए लेकिन सभी को नहीं ़ेव्ँ विनसक छवज मंज ळनंअंद्ध।जी हांए अमरूद भले ही बहुत पौष्टिक फल हैए लेकिन कुछ लोगों को इससे नुकसान हो सकता है। इसलिए कुछ लोगों को अमरूद सीमित मात्रा में या बिल्कुल नहीं खाना चाहिए।

पाचन संबंधी समस्याएं वाले लोगः-अमरूद में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है जो आमतौर पर पाचन के लिए अच्छा होता है। लेकिन जिन लोगों को पहले से ही पाचन संबंधी समस्याएं जैसे कि गैस एसिडिटीए इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम या पेट फूलने की शिकायत होए उन्हें अमरूद सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए। 'यादा मात्रा में खाने से यह समस्याएं बढ़ सकती हैं। कच्चा अमरूद खासतौर पर भारी होता है और पचने में मुश्किल कर सकता है।

डायबिटीज के मरीजः-अमरूद का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता हैए लेकिन फिर भी इसमें नेचुरल शुगर होती है। डायबिटीज के मरीजों को अमरूद खाते समय इसकी मात्रा पर ध्यान देना चाहिए। 'यादा मात्रा में अमरूद खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। सलाह यह है कि डायबिटीज के मरीज अमरूद खाने से पहले अपने डॉक्टर या डाइटीशियन से सलाह लें।

किडनी की समस्या वाले लोगः-अमरूद में पोटैशियम की मात्रा 'यादा होती है। स्वस्थ किडनी शरीर से एक्स्ट्रा पोटैशियम को आसानी से बाहर निकाल देती हैए लेकिन जिन लोगों की किडनी ठीक से काम नहीं कर रही या जो किडनी डायलिसिस पर हैंए उनके लिए 'यादा पोटैशियम हानिकारक हो सकता है। ऐसे में अमरूद सीमित मात्रा में खाना या बिल्कुल न खाना ही बेहतर है।

दांतों की समस्या वाले लोगः-अमरूद कठोर होता है और कच्चा अमरूद चबाने में दांतों पर दबाव पड़ता है। जिन लोगों के दांत कमजोर हैंए दंत चिकित्सा हुई है या जिन्हें मसूड़ों की समस्या हैए उन्हें अमरूद चबाने में सावधानी बरतनी चाहिए। इसके बीज भी दांतों में फंस सकते हैं और तकलीफ पैदा कर सकते हैं।

एलर्जी वाले लोगः-हालांकि ऐसा बहुत कम मामलों में होता हैए लेकिन कुछ लोगों को अमरूद से एलर्जी हो सकती है। खुजली रैशेज सूजन या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर अमरूद खाना तुरंत बंद कर दें और डॉक्टर से संपर्क करें।

सर्दी.खांसी या गले की तकलीफ वालेः-अमरूद की तासीर ठंडी मानी जाती हैए इसलिए सर्दी.जुकाम या गले में खराश होने पर अमरूद खाने से बचना चाहिए। इससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

इन 5 सब्जियों को कच्चा खाने की न करें गलती एक्सपर्ट ने कहा, फायदे की जगह होगा भारी नुकसान

हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि हरी सब्जियां और सलाद खाओए सेहत बनाओ।ष् यह बात सच है कि कच्ची सब्जियां विटामिन और मिनरल्स का खजाना होती हैंए लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर सब्जी को कच्चा खाना सही नहीं होताघ् कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं जो अगर बिना पकाए खाई जाएं तो वे फायदे की जगह आपके शरीर को जहरजैसा नुकसान पहुंचा सकती हैं।हेल्थ एक्सपर्ट डिंपल जांगड़ा के अनुसारए कुछ सब्जियों में प्राकृतिक रूप से ऐसे टॉक्सिन्स और बैक्टीरिया होते हैं जो केवल पकाने पर ही खत्म होते हैं। आइए जानते हैं उन 5 सब्जियों के बारे में जिन्हें आपको भूलकर भी कच्चा नहीं खाना चाहिए।

अरबी के पत्तेः-अरबी के पत्ते खाने में स्वादिष्ट लगते हैंए लेकिन इन्हें कच्चा खाने की गलती कभी न करें। इन पत्तों में हानिकारक बैक्टीरिया और टेपवर्म के अंडे हो सकते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ये साधारण धुलाई से भी नहीं मरते। इसलिए संक्रमण से बचने के लिए इन्हें हमेशा अच्छी तरह पकाकर ही खाएं।

पालक और केलः-पालक और केल जैसी पत्तेदार सब्जियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं लेकिन इन्हें कच्चा खाने से बचना चाहिए। इनमें परजीवी जैसे टेपवर्म छिपे हो सकते हैं। इसके अलावाए इनमें ऑक्सालेट की मात्रा 'यादा होती हैए जो गुर्दे की पथरी का कारण बन सकता है। इसलिएए इन्हें उबालकर या भाप में पकाकर खाएं। इससे परजीवी भी मर जाते हैं और पथरी का खतरा भी कम हो जाता है।

पत्तागोभीः-पत्तागोभी का इस्तेमाल अक्सर सलाद या बर्गर में कच्चा किया जाता हैए लेकिन यह बहुत जोखिम भरा हो सकता है। इसकी खुरदरी पत्तियों में टेपवर्म के अंडे छिपे हो सकते हैं। अगर ये अंडे शरीर में चले जाएंए तो ये मिर्गी के दौरे या ब्लैकआउट जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इसलिए पत्तागोभी को हमेशा पकाकर ही इस्तेमाल करें।

शिमला मिर्चः-शिमला मिर्च अक्सर मिट्टी और गंदे पानी के संपर्क में आने के कारण दूषित हो सकती है। हालांकि इसे सलाद में खाना आम हैए लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। इसलिएए इसे इस्तेमाल करने से पहले इसका ऊपरी हिस्सा हटा दें और पानी से बहुत अच्छी तरह धोएं ताकि गंदगी और कीटाणु निकल जाएं।

बैंगनः-बैंगन को कभी भी कच्चा नहीं खाना चाहिए। इसमें परजीवी और सिस्ट होने की संभावना होती है जो पेट को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बैंगन को पकाने से न केवल ये हानिकारक रोगाणु मर जाते हैंए बल्कि यह पचने में भी आसान हो जाता है।

सब्जियां पकाना क्यों जरूरी है

- सब्जियों को पकाकर खाने के दो बड़े फायदे हैं
- पकाने से हानिकारक बैक्टीरिया और परजीवी मर जाते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा नहीं रहता।
- पकी हुई सब्जियां न केवल इम्युनिटी बढ़ाती हैंए बल्कि शरीर इनमें मौजूद पोषक तत्वों को भी आसानी से सोख पाता है।

सेवा सदन की असाधारण सभा संपन्न, गत कई दिनों से चल रहा है गतिरोध हुआ खत्म,रामकुमार भूतड़ा का 1 साल कार्यकाल बढ़ा

पुष्कर । श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन कच प्रांगण में असाधारण सभा अध्यक्ष श्री रामकुमारजी भूतड़ा की अध्यक्षता में रखी गई जिसमें देश कोने कोने ने से लगभग 750 आजीवन। सदस्यों की उपस्थिति रही।सभा के प्रारम्भ में मंचासीन अध्यक्ष रामकुमारजी भूतड़ा, महामंत्री श्री रमेशचन्द्रजी छापरवाल, कोषाध्यक्ष मनोहर लाल पुंगलिया, उपाध्यक्ष- प्रहलाद शाह, जयकिशन बल्दुवा, अनिलकुमार बांगड़, श्री शंकरलालजी बाहेती, विजयशंकर मूंदड़ा, कार्यालय मंत्री मधुसुदनजी मालू ने भगवान महेश की पूजा अर्चना की तथा महामंत्री ने सभा का संचालन करते हुए गत प्रबन्धकारिणी समिति बैठक दिनांक 12.11.2025 में बनी आम सहमति कच सदन कच सम्मुख पढ़कर सुनाया, जिसे करतल ध्वनि से स्वीकृत किया।

गर्त काफी दिनों से कुछ समाजबन्धु लगातार भवन में बैठक कर-केच वर्तमान कार्यकारिणी पर सोशल मीडिया एवं वाट्सएप के माध्यम से भिन्न-भिन्न प्रकार अर्न गर्ल लगाकर देशभर में निवासित सेवा-सदन के आजीवन सदस्यचं केच खिलाफ भ्रांतियां फैला रहे थे गत साधारण सभा दिनांक 31.08.2025 में रामकुमार भूतड़ा अध्यक्ष श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन कच वर्तमान सत्र के कार्यकाल कोच एक वर्ष ओर बढ़ाये गये निर्णय का विरोध ध कर रहे थे। दिनांक 11.10.2025 की प्रबन्धकारिणी समिति की बैठक में लिये गये निर्णय अन्तर्गत गत 16.11.2025 कच पुनः साधारण सभा रखने का निर्णय प्रबन्धकारिणी समिति ने लिया था तत्पश्चात मार्गदर्शक मण्डल कुछ सदस्यचं द्वारा दिये गये निम्नलिखित प्रस्तावचं 1. अगले सत्र कच चुनाव हेतु चुनाव अधिकारी की नियुक्ति 2026 अप्रैल के पहले/द्वितीय सप्ताह में की जाये। 2. अयोध्या भवन का लोकार्पण (कलर व अंतर्गत फर्नीचर कच छच्ड़) निर्माण कार्य चारदिवारी सहित पूर्ण हच जाने पर आचार संहिता लागू हच जाने से पहले किया जा सकता है। 3. इस सत्र के कार्यकाल को बढ़ाने के लिये गतिरोध चल रहा था परन्तु अब इस मुद्दे पर आम सहमति बन गई है अतः अब 16.11.2025 की आम सभा बुलाने का कोच्ई ओचित्य नहीं रह जाता है, अतः 16.11.2025 की बुलाई गई आम सभा को निरस्त किया जाये, अनुरूप निर्णय लिये गये ताकि समाज में व्याप्त भ्रांतिया पर विराम लग सके। परन्तु 12.11.2025 कच बनी आम सहमति कच उपरान्त भी कुछ लोग लगातार अनर्गल बयानबाजियां कर रहे थे और इसी बीच मार्गदर्शक मण्डल के कुछ सदस्यचं ने अध्यक्ष एवं महामंत्री की स्वीकृति केच बिना चुनाव अधिकारी की घोषणा ओर कर समाजबन्धुओ को गुमराह करने का प्रयास किया तथा गर्त दिन पूर्व अध्यक्ष श्यामसुन्दरजी बिड़ला एवं निवर्तमान अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला के नेतृत्व में जल्द चुनाव करवाने हेतु ज्ञापन दिया गया तथा अजमेर केच कुछ बन्धुओ ने न्यायालय की शरण भी ली है, जिसे देखते हुए सेवा सदन के आजीवन सदस्यो ने लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विधान के अनुसार अध्यक्ष रामकुमारजी भूतड़ा कोच असाधारण सभा (विशेश सभा) आहूत करने का निवेदन किया, जिस पर आज रविवार दिनांक 14.12.2025 को सभा रखी गई, जिसमें लगभग 750 सदस्य की उपस्थिति रही।

आज की सभा में उपस्थित सभी सदस्यचं ने ध्वनिमत से श्री रामकुमारजी भूतड़ा का कार्यकाल साधारण सभा के निर्णय को ही अंतिम निर्णय माना। इसक अलावा मोजूद कार्यकारिणी एवं अध्यक्ष श्री रामकुमारजी भूतड़ा, महामंत्री श्री रमेशचन्द्रजी छापरवाल, कोशाध्यक्ष श्री मनोहरलालजी पुंगलिया सहित पदाधिकारियचं अन्य सदस्यच्के खिलाफ अनर्गल भाषा लिखने वालचं के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करने का अध्यक्ष एवं महामंत्री को अधिकार दिया इसके अलावा सेवा सदन केच परिसर में अध्यक्ष एवं महामंत्री की स्वीकृति के बिना सेवा-सदन में सम्बन्धित किसी भी प्रकार की बैठक विरोधी पक्ष नहीं कर सकता। साथ ही सोशल मीडिया पर विरोच्धी गुट ने आज दिनांक 14.12.2025 की उक्त सभा में उपस्थित रहने वाले आजीवन सदस्यो को बी.पी.एल. बताया गया था, जिस पर ध्वनिमत से उपस्थित सदस्य ने कानूनी कार्यवाही करने कच लिये अध्यक्ष एवं महामंत्री कच अधिकार दिया।आज की बैठक में यह निर्णय रहे कि गर्त साधारण सभा के निर्णयानुसार वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल एक वर्श बढ़ा हुआ माना जाये एवं अध्यक्ष श्री रामकुमारजी भूतड़ा कच नेतृत्व में ही अयच्ध्या भवन का लच्कार्पण किया जायेगा। समाज के काफी वरिश्ठ आजीवन सदस्य ने मंच के सामने आकर समाज को बदनाम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करते रहे कि ऐसे आजीवन सदस्यचं की सदस्यता रद्द की जाये। जिस पर अध्यक्षजी एवं महामंत्री द्वारा आक्रशित सदस्यच को समझाया जाता रहा एवं यह आश्वासन दिया गया कि जल्द ही समाज के लोगों को बदनाम करने वाल के खिलाफ उचित कार्यवाही की जायेगी। सभा में श्री सुनिलकुमार मून्दड़ा, श्री सुभाशजी नवाल रमाकान्तजी बाल्दी अजमेर, श्री शरदजी मून्दड़ा, कमलकिशच्रजी चाण्डक, नीरजजी मून्दड़ा जोधपुर, श्रीगो पालजी सोनी किशनगढ़, श्री मदनगोपालजी बाल्दी बिजयनगर, श्री श्यामसुन्दरजी मंत्री कुचामनसिटी, कैलाश काबरा, श्री सत्यनारायणजी डाड भीलवाड़ा, श्री चन्द्रप्रकाशजी बिड़ला मेड़तासिटी सहित काफी वक्ताओं ने अपने-अपने विचार प्रकट करते हुए अध्यक्ष श्री रामकुमारजी भूतड़ा एवं वर्तमान सत्र में हुए कार्यर्द की भूरी-भूरि प्रशंसा की।सभा के अंत में महामंत्री ने सभी उपस्थितजन का आभार प्रकट करते हुए सभा समाप्ति की घोषणा की।

शीतकालीन अवकाश में पुष्कर में उमड़ेगा भारी जनसैलाब

पुरोहितों ने शीतकालीन अवकाश से पूर्व पुलिया का रास्ता खोलने की मांग,उपखंड अधिकारी ने ठेकेदार को दिया तुरंत प्रभाव से कार्य पूर्ण करने का निर्देश

हाइब्रिज पुलिया का निर्माण कार्य कछुआ चाल से चलने से स्थानीय लोग यात्री और स्कूली बच्चे हो रहे हैं परेशान , फिलहाल दो दिन से कार्य बंद

पुष्कर। तीर्थ नगरी पुष्कर में बड़ी पुलिया (हाई ब्रिज) का कार्य कछुआ चाल से चलने से स्थानीय लोग श्रद्धालु और स्कूली बच्चे काफी परेशान हो रहे हैं तो वहीं शीतकालीन अवकाश में पुष्कर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी जिसके चलते अगर पुलिया कर निर्माण कार्य शीतकालीन अवकाश से पूर्ण नहीं किया गया और बड़ी पुलिया का रास्ता नहीं खोला गया तो पुष्कर में आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है । गत दो दिन से पुलिया का कार्य भी बंद सा ही है। काम जल्दी हो इसको लेकर इसी को लेकर गुरुवार को तीर्थ पुरोहितों ने इस मामले की जानकारी उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर को दी ओर बड़ी पुलिया का निर्माण कार्य शीतकालीन अवकाश से पूर्व करके रास्ता खुलवाने की मांग की।इस दौरान उपखंड अधिकारी गुरुप्रसाद ने तुरंत प्रभाव से ठेकेदार से वार्ता करके पुलिया का निर्माण कार्य शीतकालीन अवकाश से पूर्व करके रास्ता खोलने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान संजय जोशी ,गजेंद्र पाराशर, संदीप पाराशर सोनू पाराशर ,विशाल पाराशर ,आऊ जी ,निशांत पाराशर गौरव पाराशर अमन पाठक पूनम चंद पाराशर सहित कई तीर्थ पुरोहित मौजूद थे।

राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित

अजमेर। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। राजस्व अधिकारियों की बैठक में जिला कलक्टर लोक बन्धु के द्वारा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों एवं मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त होने वाले प्रकरणों में तत्काल रिपोर्ट प्रेषित कर त्वरित निस्तारण के निर्देष प्रदान किए गए।जिला कलक्टर ने राजस्व न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों में 30 वर्ष से अधिक समय से लम्बित प्रकरणों की शीघ्र सुनवाई की जाकर निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए। नियम 2007 के तहत कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ सम्परिवर्तन के लम्बित प्रकरणों निस्तारण के संबंध में अधिकांष प्रकरणो का निस्तारण 30 दिवस के भीतर कराकर औसत समय सुधारने को निर्देशित किया।

विट्ठल। प्राकट्य उत्सव पर परिक्रमा मार्ग से निकाली जा रही विशाल शोभायात्रा मैं उपस्थित वैष्णव परिवार। -फोटो दिनेश पाराशर

विट्ठल भगवान के प्राकट्य उत्सव पर विशाल शोभायात्रा निकाली

पुष्कर। में निकाली गई विट्ठल भगवान के प्राकट्य उत्सव पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। पुष्कर के परिक्रमा मार्ग स्थित महाप्रभुजी की बैठक प्राकट्य उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया दीनदयाल पाराशर ने बताया कि इस दौरान महाप्रभुजी की बैठक से गाजे बाजे के साथ एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई । यह शोभायात्रा पूरे नगर में भ्रमण कर शाम को गंतव्य स्थान पर पहुंची । विट्ठल भगवान का 511 वा प्राकट्य उत्सव मनाया गया इस दौरान अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद शाखा पुष्कर के दामोदर पाराशर, बालकिशन, गिरधर पाराशर , सत्यनारायण ब्रह्मावत, राजाराम मारवाड़ी, गोपाल लाल ,श्याम सुंदर श्री कांत काला, स्वरूप नारायण पाठक ,पुष्कर काबरा, विट्ठल पाराशर, श्याम जी लखोटिया, ओम जी बंग।

नंदकिशोर ठाडा कई महिला पुरुष मौजूद थे ।मुखिया परिवार की ओर से कौशल मुखिया एवं नटवर मुखिया, किशोर मुखिया मौजूद थे। महा प्रभु जी की बैठक में पद गायन किया गया मंदिर की ओर से प्रसाद वितरण किया गया ।

स्वामी व प्रकाशक कविता पाराशर के लिए मुद्रक खुमेश बाबू राजगुरु द्वारा लक्ष्मी आर्ट प्रिन्टर्स, होली का चौक, बड़ी बस्ती पुष्कर से मुद्रित व कार्यालय ब्रह्म पुष्कर परिक्रमा मार्ग, बड़ी बस्ती, पुष्कर (अजमेर) से प्रकाशित . सम्पादक- कविता पाराशर प्रबन्ध सम्पादक- दिनेश पाराशर मो. 9928586309 : Email ID:- brahmpushkar@gmail.com